RNTU TIMES

Rank Band 151-200 in University Category in nirf 2025

VOLUME: 8 | www.rntu.ac.in | July-August, 2025

खेल उत्कृष्टता का महाकुंभ : स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2025

29th Aug.: खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास के तहत शनिवार को आईसेक्ट विश्वविद्यालय समूह द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में "स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2025" का आयोजन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मप्र शासन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री श्री विश्वास सारंग, विशिष्ट अतिथि के रूप में अर्जुन अवार्डी और पूर्व ओलंपियन श्री अशोक ध्यानचंद, अर्जुन अवार्डी और 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य श्री मदनलाल शर्मा और श्री जलज चतुर्वेदी, जिला खेल अधिकारी रायसेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति और आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में , कुलगुरू डॉ. विजय सिंह और रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरू डॉ. आरपी दुबे, कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी और एसजीएसयू के कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा शामिल रहे।

इस अवसर पर समारोह में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत 88 खिलाड़ियों और 11 कोच को पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनमें हॉकी, जूडो, पैरालंपिक, शूटिंग, बॉक्सिंग, सेलिंग, कयाकिंग केनोइंग, रेसलिंग, रोइंग, मल्लखम्ब, कराटे, वुशु, एथलेटिक्स, फेंसिंग, ग्रैपलिंग इत्यादि खेलों के खिलाड़ी शामिल रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने प्लेयर्स को सम्मानित होने पर बधाई दी और खेलों को प्रोत्साहित करने के आईसेक्ट समूह के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि एक अच्छा नागरिक बनने में बेहतर शिक्षा और सकारात्मक खेल भावना का बड़ा योगदान होता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार एक युवा ने उनसे सन्यास लेने की बात कही तो विवेकानंद ने उसे फुटबॉल खेलने और स्वयं एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने की सीख दी थी। आगे उन्होंने कहा कि आज देश में खेल का सकारात्मक माहौल है। प्लेयर्स की सहायता के लिए बड़ी संख्या में योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्राइवेट सेक्टर भी आगे आकर पहल कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी खेल प्रतिस्पर्धाओं के खिलाड़ियों से स्वंय बात करके उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में आम नागरिकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे आगे आकर अपने आसपास खेलों से जुड़ने के लिए सभी को प्रोत्साहित करें।

इससे पहले कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और आईसेक्ट विश्वविद्यालयों द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को तैयार करने के लिए क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत की जा चुकी और फुटबाल एवं बैडमिंटन एकेडमी को भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एवं न्यूट्रिशन से संबंधित कोर्सेज की शुरुआत और खेलों में शोध को बढ़ावा देना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उत्कृष्ट प्लेयर्स को सहायता प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर अशोक ध्यानचंद जी ने अपने हाकी के करियर को संक्षिप्त में साझा करते हुए प्लेयर्स को प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने अपने पिता मेजर ध्यानचंद के किस्से और अपने पहले गोल्ड जीतने का किस्सा सुनाया।

आईसेक्ट समूह की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खेल प्रतिभाओं को सम्मान

इस अवसर पर मदनलाल जी ने खिलाड़ियों को सफलता के लिए इंटेंसिटी के साथ हार्डवर्क और स्मार्टवर्क करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्लेयर को साल दर साल स्वयं को बेहतर करना चाहिए तभी वह बड़े स्तर पर परफॉर्म कर सकता है। उन्होंने प्लेयर के जीवन में प्रोसेस के महत्व को रेखांकित किया क्योंकि इसी के जरिए लगातार प्लेयर बेहतर होता जाता है।

10 खेलों में 88 प्लेयर्स हुए सम्मानित

इस दौरान सम्मानित होने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में हॉकी के अंकित पाल, अदिति महेश्वरी, करमनप्रीत कौर (प्रत्येक को राशि 15000); जूडों के हिमांशी टोकस और श्रद्धा चोपडे (प्रत्येक को 15,000), पवित्र भटेले और श्रुति उनियाल (प्रत्येक को 10000); पैरा एथलीट लक्ष्मी को राशि 15000; शूटिंग में वंशिका तिवारी को 25000, मानसी रघुवंशी को 20000, श्रेष्ठ सिसोदिया को 10000, मोहिका सिसोदिया को 10000, एसजीएसयू की कराटे प्लेयर आकांक्षा सोलंकी को 15000; बॉक्सिंग में मलिका मोर को 10000; सेलिंग में अजय यादव और विद्यांशी मिश्रा (प्रत्येक को 10000), नन्हे राजा बुंदेला को 15000; कयाकिंग में डाली बिश्नोई को 10000; रेसलिंग में प्रियांशी प्रजापत को 15000; वुशू में श्रेया गुप्ता को 10000; एथलेटिक्स में एकता डे को 15000; रोइंग में अमन सिंह को 26000, अरविंद सिंह गुर्जर, वेदांश टेहरिया (प्रत्येक को 20000), अक्षय यादव को 16000, हरिओम ठाकुर को 13000, बंटी सेंधव, राघव सरन, प्रयास, धीरज वर्मा (प्रत्येक को 10000); मलखंब में प्रणव कोरी को 30,000, पंकज गरगामा को 23000, पायल मांडवलिया, सपना माली, संजना, अनुसुइया, राजनंदनी, सोनू मांडवलिया (प्रत्येक को 13000), उत्कर्ष पांडे, आदित्य गेहलोत, विश्वेश सुगंधी, यश ममोडिया (प्रत्येक को 10000); कराते में अनुज गोस्वामी को 25000, कल्याणी विश्वकर्मा को 21000, प्रिंस राठौर, रोहित कुमार (प्रत्येक को 10000) पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। वहीं कोचेस में आकांक्षा परमार (हॉकी वूमेंस), अमित विग (जूडो वूमन), इंद्रजीत सिकदर (शूटिंग), रोशनलाल (बॉक्सिंग), महा सिंह (रेसलिंग मेंस), दलवीर (रोइंग मेंस), भरत बढ़ेवाल (मलखंब), भूपेंद्र सिंह चौहान (फेंसिंग) प्रत्येक को 10000। वहीं पलाश समाधिया (कराते) और रूद्र प्रताप सिंह चौहान (वुशू) में प्रत्येक को 10000 पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

भारतीय ज्ञान परंपरा : मूल और विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

23rd Aug.: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा संस्कृत प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में "भारतीय ज्ञान परंपरा : मूल और विकास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के शारदा सभागार में हुए उद्घाटन एवं समापन सत्र में देशभर से आए विद्वानों ने भारतीय बौद्धिक परंपरा, उसके निरंतर विकास और आधुनिक संदर्भों में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

उद्घाटन सत्र में हुए विमर्श

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अंतिम लक्ष्य ब्रह्मज्ञान है। यह सतत्व ज्ञान की साधना पर आधारित है और आधुनिक विज्ञान भी अब उन सत्यों तक पहुँच रहा है, जिनकी दिशा भारतीय दार्शनिक दृष्टि ने बहुत पहले दिखा दी थी।

मुख्य अतिथि डॉ. भरत शरण सिंह (अध्यक्ष, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, मप्र) ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आत्मा भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है। प्रो. गिरीश्वर मिश्र (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा निरंतर प्रवाहित धारा है, जिसकी जड़ें वैदिक काल के पूर्व तक जाती हैं।

डॉ. मुकेश मिश्रा (निदेशक, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल) ने वाचिक परंपरा के अध्ययन पर बल दिया। वहीं डॉ. सुप्रिया पाठक (सह-आचार्य, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) ने लोक परंपरा और स्त्री विमर्श को भारतीय ज्ञान परंपरा की समझ के लिए अनिवार्य बताया।

समापन सत्र में मिले नए दृष्टिकोण

समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल तत्व संवाद, सहअस्तित्व और मानवीय मूल्य हैं। मुख्य वक्ता डॉ. अमिताभ सक्सेना (निदेशक, ITDPR) ने कहा कि यह परंपरा केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवन के प्रत्येक आयाम से जुड़ी रही है। योग, आयुर्वेद, गणित, खगोल और साहित्य में इसके योगदान को विश्व मान्यता मिली है। कुलपति प्रो. आर. पी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा की धरोहर को संरक्षित करें और आधुनिक संदर्भों में प्रस्तुत करें।

डॉ. मिथलेश तिवारी ने इसे समावेशी स्वरूप वाला चिंतन बताया, जबकि डॉ. राकेश मिश्रा ने कहा कि इसका मूल 'सत्यमेव जयते' की संकल्पना में निहित है।

सम्मेलन में विमोचन और आभार

संगोष्ठी के दौरान "कैम्पस मिमांसा" न्यूज़लेटर और "हिंदी ओलंपियाड" के पोस्टर का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. विशाखा राजुरकर ने तथा समापन सत्र का संचालन डॉ. अरुणेश शुक्ला ने किया। धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः डॉ. संगीत जौहरी और डॉ. रुचि मिश्र तिवारी ने प्रस्तुत किया।

विद्वानों ने माना कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी ने न केवल भारतीय ज्ञान परंपरा के ऐतिहासिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक पहलुओं को सामने रखा, बल्कि इसकी भविष्यगत संभावनाओं पर भी गहन विमर्श का अवसर प्रदान किया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

15th Aug.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 79 में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। कुलपति डॉ आर पी दुबे, उपकुलपति डॉ संजीव गुप्ता और कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर एनसीसी इंस्ट्रक्टर दुर्गा वर्मा के निर्देशन में एनसीसी नेवल विंग के कैडेट्स ने फ्लैग मार्च करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को गार्ड आफ आनर दिया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस इस मायने में खास रहा कि यहां यह विद्यार्थी केन्द्रित रहा। यहां विद्यार्थियों ने ही पूरे समारोह की रूपरेखा तैयार की साथ ही उन्होंने मंच पर अपने विचार भी प्रकट किये। वहीं समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ आर पी दुबे ने कहा कि आज विकसित भारत वर्ष 2047 की अवधारणा को पूरा करना है तो इसमें सबसे अधिक योगदान शैक्षणिक संस्थान, शिक्षक और विद्यार्थी ही दे सकते हैं। वहीं विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने कहा कि युवा अगर अपनी प्रतिभा का उपयोग देश को आगे बढ़ाने में करें तो देश को विश्व शक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि आज भारत के युवा के पास प्रतिभा है कुशलता है, बस कमी है तो उसके सही उपयोग और मार्गदर्शन की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने कहा कि आज भारत की ताकत और सैन्य क्षमताओं पर हमें नाज है ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है कि भारत अब किसी भी देश से पीछे नहीं है। ऑपरेशन से दूर ने भारत के हर नागरिक के भीतर देशभक्ति की भावना को और अधिक प्रबल किया है।

इससे पूर्व स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के श्री राहुल सिंह परिहार वी प्रतिकूलपति डॉ संजीव गुप्ता ने छात्र-छात्राओं के साथ रैली निकाली।

कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति डीएसडब्ल्यू डॉ शीतल गुलाटी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रेखा गुप्ता व श्री गब्बर सिंह सहित सभी विभिन्न विभागों के प्राध्यापक गण व अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।

कोच्चि में अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पोस्टर का लोकार्पण

1st Aug.: अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पोस्टर का लोकार्पण कोच्चि में – शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं अमृता विश्वविद्यापीठ, कोच्चि के संयुक्त तत्वाधान में **'विकसित भारत हेतु शिक्षा'** विषय पर ज्ञान सभा का राष्ट्रीय आयोजन कोच्चि में 28 जुलाई 2025 को सम्पन्न हुआ।

इस सभा के मुख्य आयोजक न्यास के सचिव श्री अतुल कोठारी, देश के पूर्व शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' सहित देश के अनेक गणमान्य शिक्षाविद, कुलाधिपति, कुलगुरु, वरिष्ठ प्रोफेसर, निजी शिक्षण संस्थानों के निदेशक, राज्यों के शिक्षा मंत्री तथा सांसद भी शामिल हुए। सभा में आमंत्रित रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और विश्वरंग के निदेशक श्री संतोष चौबे एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विश्वविद्यालय में किए जा रहे विशिष्ट कार्यों तथा अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड की जानकारी प्रदान की।

सभा के समापन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड पोस्टर का लोकार्पण देश के पूर्व शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ,इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव श्री सच्चिदानंद जोशी, श्री संतोष चौबे, डॉ. जवाहर कर्नावट आदि ने किया।

विश्वरंग हिंदी ओलंपियाड: विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 14 सितंबर से, भारत सहित 65 देशों में आयोजन

हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार – प्रसार और नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ने के उद्देश्य से विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल एवं वनमाली सृजन पीठ द्वारा संयुक्त रूप से विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 14 सितम्बर (हिंदी दिवस) से 30 सितम्बर (अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस) तक भारत सहित विश्व के 50 से अधिक देशों में आयोजित होगा।

नीदरलैंड्स के 'साझा संसार अन्तरराष्ट्रीय सम्मान–2025' से सम्मानित होंगे संतोष चौबे

5th Aug.: नीदरलैंड्स के साझा संसार फाऊण्डेशन द्वारा प्रथम 'साझा संसार अन्तरराष्ट्रीय सम्मान–2025' रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के कुलाधिपति, विश्व रंग के निदेशक एवं वनमाली सृजनपीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष चौबे को प्रदान किये जाने की घोषणा की गई। संतोष चौबे को वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं कला के उन्नयन हेतु सर्वोत्तम योगदान के लिए प्रथम 'साझा संसार अंतरराष्ट्रीय सम्मान–2025' प्रदान किया जाएगा।

नीदरलैंड्स के वरिष्ठ प्रवासी रचनाकार एवं साझा संसार फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. रामा तक्षक की अध्यक्षता में आयोजित साझा संसार फाउंडेशन टीम की ऑनलाइन बैठक में नीदरलैंड्स से विश्वास दुबे, शिवांगी शुक्ला, मनीष पाण्डेय, आशीष कपूर, स्विट्ज़रलैंड से हर्षिता वाजपेयी, अमेरिका से विनीता तिवारी और भारत से राजेन्द्र शर्मा द्वारा भाग लेते हुए सर्वसम्मति से संतोष चौबे को प्रथम 'साझा संसार अंतरराष्ट्रीय सम्मान–2025' से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि कवि–कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 50 से अधिक सदस्य देश हैं। हाल ही में विश्व रंग का 'मॉरीशस' में भव्य आयोजन कर उन्होंने हिंदी के वैश्विक विस्तार की जमीन तैयार की है।

हाल ही में उन्हें सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान– 2024' और फ्रांस में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान–2024' से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व लंदन में "वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023" और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड–2023' से भी सम्मानित किया गया है।

संतोष चौबे को कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार एवं उपन्यास (जलतरंग) के लिए शैलेश मटियानी तथा अन्तरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत एवं शिवमंगल सिंह सुमन अलंकरण भी प्राप्त हुए हैं।

प्रथम साझा संसार अंतरराष्ट्रीय सम्मान–2025' संतोष चौबे को प्राप्त होने पर 'विश्व रंग' टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, विश्व रंग सचिवालय, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, खंडवा, वैशाली, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं ने हार्दिक बधाई दी है।

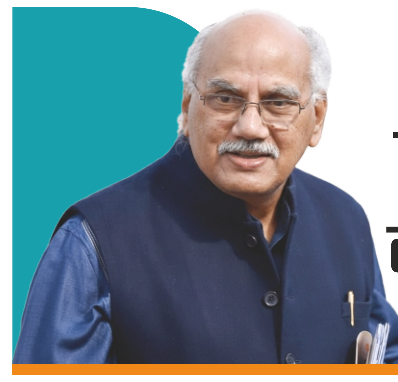

संतोष चौबे के ताजा कहानी संग्रह 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण एवं पुस्तक चर्चा

30th Aug.: वरिष्ठ कवि–कथाकार, निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के ताजा कहानी संग्रह 'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण समारोह एवं पुस्तक चर्चा का आयोजन दिनांक 4 सितंबर 2025 (गुरुवार) को शाम 4.00 बजे से साहित्य अकादमी, दिल्ली के सभागार में होगा। यह आयोजन वनमाली सृजन पीठ दिल्ली एवं राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व श्री संतोष चौबे के छः कहानी संग्रह **'हल्के रंग की कमीज'**, **'रेस्त्राँ में दोपहर'**, **'नौ बिन्दुओं का खेल'**, **'बीच प्रेम में गाँधी'**, **'मगर शेक्सपियर को याद रखना'** तथा **'प्रतिनिधि कहानियाँ'** प्रकाशित और चर्चित हुए हैं।

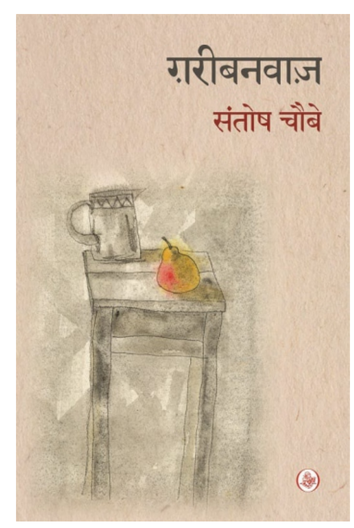

'ग़रीबनवाज़' का लोकार्पण समारोह सुप्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया जी के आत्मीय सान्निध्य में आयोजित होगा और अध्यक्षता वरिष्ठ रचनाकार श्री जानकी प्रसाद शर्मा करेंगे।

श्री संतोष चौबे अपने ताजा कहानी संग्रह से कहानीपाठ करेंगे। स्वागत उद्बोधन वरिष्ठ कवि एवं वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के अध्यक्ष श्री लीलाधर मंडलोई देंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ आलोचक–संपादक श्री अखिलेश, वरिष्ठ आलोचक श्री विनोद तिवारी, अल्पना मिश्र एवं आशुतोष कहानी संग्रह पर अपने विचार रखेंगे।

कार्यक्रम का संचालन युवा रचनाकार श्री प्रांजल धर करेंगे। राजकमल प्रकाशन समूह के श्री अशोक माहेश्वरी आभार व्यक्त करेंगे।

'उनके हिस्से का प्रेम' और 'ग़रीबनवाज़' कहानियों का होगा मंचन

05 सितंबर को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD), नई दिल्ली के सम्मुख सभागार में सँवरेगा कहानियों का मंचन

वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के तत्वावधान में 'संभव' आर्ट ग्रुप, दिल्ली द्वारा संतोष चौबे की दो कहानियाँ 'उनके हिस्से का प्रेम' और 'ग़रीबनवाज़' का नाट्य मंचन प्रख्यात नाट्य निर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर के निर्देशन होगा।

कहानियों का मंचन 05 सितंबर 2025 शाम 6:30 बजे से सम्मुख सभागार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में होगा।

सुप्रतिष्ठित कवि–कथाकार श्री संतोष चौबे "सुदीर्घ सेवा सम्मान–2025" से हुए सम्मानित

27th Aug.: आकार वीडियोटेक के प्रतिष्ठित आयोजन 'आकार फिल्मोत्सव' में सुप्रसिद्ध कवि–कथाकार एवं विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे को साहित्य, कला, संस्कृति और हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार–प्रसार में किए गए अनुकरणीय योगदान हेतु "सुदीर्घ सेवा सम्मान–2025" प्रदान किया गया।

यह भव्य आयोजन भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित राजीव गांधी सभागार, एन.आई.टी.टी.टी.आर. में संपन्न हुआ। समारोह में विश्व विख्यात ध्रुपद गायक पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ बड़ी संख्या में साहित्यकारों, कलाकारों, रंगकर्मियों, फिल्मकारों और संस्कृति प्रेमियों ने सहभागिता की।

सुप्रसिद्ध कवि-कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक श्री संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और साहित्य-संस्कृति में निरंतर नवाचार के लिए वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान रखते हैं। हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2019 में भोपाल से अंतरराष्ट्रीय 'विश्व रंग' महोत्सव की शुरुआत की थी, जो आज 50 से

अधिक देशों में सक्रिय है। जनवरी 2025 में मॉरीशस में हुए विश्व रंग के भव्य आयोजन के बाद अब 26 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक कोलंबो (श्रीलंका) में इसका अगला अंतरराष्ट्रीय संस्करण आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, नवंबर 2025 में भोपाल में भी इस महोत्सव का आयोजन प्रस्तावित है।

हाल ही में श्री संतोष चौबे को नीदरलैंड्स से 'साझा संसार अंतरराष्ट्रीय सम्मान–2025' प्रदान किया गया है। इससे पूर्व उन्हें सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान–2024', फ्रांस में 'भारत गौरव सम्मान–2024', लंदन में 'वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान–2023' तथा अमेरिका में प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड–2023' से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके रचनात्मक अवदान को अनेक साहित्यिक पुरस्कारों से मान्यता मिली है। उनकी कविता संग्रह 'कहीं और सच होंगे सपने' के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना ग्रंथ 'कला की संगत' के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद कृति 'मास्को डायरी' के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार और उपन्यास 'जलतरंग' के लिए शैलेश मटियानी सम्मान तथा अंतरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स अवार्ड से उन्हें अलंकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, समग्र साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत सम्मान और शिवमंगल सिंह 'सुमन' अलंकरण भी प्राप्त हुए हैं।

प्रतिष्ठित "सुदीर्घ सेवा सम्मान–2025" से सम्मानित होने पर श्री संतोष चौबे को विश्व रंग टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, वनमाली सृजन पीठ सहित अनेक सहयोगी संस्थाओं ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

9th July: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 10 से 12 जुलाई 2025 तक "चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन 10 जुलाई को प्रातः विश्वविद्यालय परिसर के शारदा सभागार में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य पंचकोशीय शिक्षा पद्धति के माध्यम से चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों की स्थापना पर गहन मंथन करना था।

कार्यशाला में देशभर से विशेषज्ञ वक्ता विभिन्न कोशों-अन्नमय, मनोमय, प्राणमय, विज्ञानमय और आनन्दमय-पर आधारित सत्रों में अपने विचार प्रस्तुत किये।

प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में डॉ. मनोहर भंडारी, समन्वयक, चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा अन्नमय कोश पर, द्वितीय सत्र में डॉ. दिनेश दवे, मालवा प्रांत संयोजक द्वारा मनोमय कोश पर एवं चरित्र निर्माण पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रथम दिवस की समाप्ति पर टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के मुक्त धारा सभागार में जल आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजित की गई। द्वितीय दिवस के तृतीय सत्र में डॉ. अजय तिवारी, क्षेत्र सह संयोजक द्वारा प्राणमय कोश पर, चतुर्थ सत्र में डॉ. भरत व्यास, मध्य भारत प्रांत संयोजक द्वारा विज्ञानमय कोश पर, पंचम सत्र में डॉ. अनीता शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक, विद्यालयीन शिक्षा द्वारा आनन्दमय कोश पर तथा षष्ठ सत्र में डॉ. ओम शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक, आत्मनिर्भर भारत द्वारा सामूहिक चर्चा की।

तृतीय दिवस के सप्तम सत्र में श्री सुरेश गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा मुक्त विचार एवं जिज्ञासा समाधान पर तथा अष्टम सत्र में डॉ. ओम शर्मा द्वारा पर्यावरण एवं स्वच्छता परिसर पर व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य वक्ता श्री सुरेश गुप्ता होंगे, जबकि अध्यक्षता श्री संतोष चौबे जी द्वारा की जाएगी। यह कार्यशाला शिक्षकों, छात्रों एवं समाजसेवियों को पंचकोशीय दर्शन के माध्यम से चरित्र निर्माण और मूल्य आधारित जीवन की ओर प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

Grand Inauguration of Two-Day International Conference on "Advances in Science, Technology and Management" at Rabindranath Tagore University

5th Aug.: A two-day international conference on "Advances in Science, Technology and Management (ICRASTM)" commenced today at Rabindranath Tagore University, jointly organized by the Society for Advanced Research in Plant Science, Narmadapuram, and the university.

The conference was inaugurated in the presence of distinguished guests. Chief Guest Dr. Pramod Patil, Retired Professor of Botany, Bhopal, highlighted the importance of the integration of science, technology, and management in driving rural development. He emphasized that platforms like these provide students with a global perspective and stressed that innovation and research are the key to making India self-reliant.

Speaking on the occasion, Dr. Istvan Fekete from Hungary noted that "Science, technology, and management are the three pillars shaping the modern world. Innovations in these areas not only simplify life but also guide sustainable develop-ment. Such international platforms enable experts from diverse countries to learn from one another and work toward joint solutions." He also expressed confidence in the potential of India's youth to make revolutionary contributions to global research.

Dr. Suhaib Malik from the British International School, Ajman, UAE, underlined the growing necessity of incorpora-ting technological innovations into global education systems. He said students must be encouraged towards multidisciplinary learning and praised the conference for offering exposure to India's academic excellence.

Vice Chancellor Dr. R. P. Dubey reiterated the university's commitment to innovation, research, and global collaboration. He said the purpose of the conference is to provide a common platform for researchers, academicians, industry experts, and students to exchange ideas on the latest innovations, trends, challenges, and solutions in science, technology, and management.

The inaugural ceremony began with the traditional lamp-lighting. The session was conducted by Dr. Neeta Ghangrekar, while Dr. Poorvi Bhardwaj presented the detailed conference report. The event saw participation from eminent scholars including Dr. Prateek Nigam, Dr. Bharti Saxena, Dr. Vinay Yadav, Dr. Ramakant Bhardwaj from Kolkata, Dr. M. Vijay Kumar from Telangana, Dr. Hitesh Khare from Mechanical Engineering, along with a large number of faculty members and students.

The conference will conclude on August 6. At the end of the first day, the vote of thanks was delivered by Professor Dr. Prateek Nigam of Rabindranath Tagore University.

नशे के खिलाफ मैराथन

सतलापुर में आयोजित हुई 3 कि.मी. मैराथन, 500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

28th July: मध्यप्रदेश पुलिस के **"नशे से दूरी है ज़रूरी"** अभियान के अंतर्गत सतलापुर में 3 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। रायसेन पुलिस और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस दौड़ में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और युवाओं ने हिस्सा लिया।

इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में जन-सहभागिता को प्रोत्साहित करना था।

पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डेय ने समापन पर सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एसडीओपी सुश्री शीला सुराना, श्री राजीव अग्रवाल, श्री जलज चतुर्वेदी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गर्ल्स कैटेगरी में पूनम विश्वकर्मा, सोनम सिंह राजपूत और निहारिका बरखेड़े ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बॉयज़ कैटेगरी में अंकित पाल पहले, शेखर मीणा दूसरे और हरि किशन तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

One-Day Workshop on Climate Nexus Held at IISER Bhopal Focus on "Shaping the Future of Agriculture and Water over Madhya Pradesh"

11th July: A one-day workshop on "Climate Nexus: Shaping the Future of Agriculture and Water over Madhya Pradesh" was successfully organized on 11th July 2025 at the Indian Institute of Science Education and Research (IISER), Bhopal. The workshop aimed to address the pressing challenges posed by climate change on agriculture and water systems in the region and to explore sustainable, science-based solutions.

The workshop was convened by Dr. Pankaj Kumar, Associate Professor at IISER Bhopal. It brought together researchers, academicians, students, policymakers, and stakeholders from across the state to engage in critical discussions and knowledge sharing.

Key speakers at the event included Prof. Gobardhan Das, Director of IISER Bhopal, and Dr. Aditi Chaturvedi, Pro-Chancellor of RNTU.

In his address, Prof. Das emphasized, "Climate change is not merely an environmental concern it directly threatens our food systems, water resources, and livelihoods. Addressing this crisis requires a collaborative effort between scientists, government agencies, and local communities."

Dr. Aditi Chaturvedi, in her keynote remarks, stated, "Climate change is a multi-dimensional challenge. Tackling it demands not only scientific research but also strong community engagement and awareness. Educational institutions have a responsibility to empower youth not just with knowledge, but with the tools to become part of the solution. We must work closely with rural communities to develop localized, practical models that are both sustainable and impactful in the long term."

Throughout the day, the workshop featured multiple sessions in which experts discussed climate impacts on Madhya Pradesh, particularly focusing on irregular rainfall, rising temperatures, and water scarcity. The sessions highlighted the urgency of adopting resilient agricultural practices and efficient water management strategies.

Participants explored innovative approaches, including nature-based solutions, crop diversification, community led water conservation, and climate-resilient infrastructure. Emphasis was placed on integrating traditional knowledge with modern science to develop context-specific interventions.

हिंदी शोध की वैश्विक चेतना: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में "विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी शोधार्थी सम्मेलन" का भव्य आयोजन

18th July: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन एवं विश्व रंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 18 जुलाई को दो दिवसीय "विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी शोधार्थी सम्मेलन" का भव्य आयोजन हुआ। शारदा सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के हिंदी प्रेमियों, शोधार्थियों और विद्वानों ने भाग लेकर हिंदी को वैश्विक शोध भाषा बनाने का संकल्प दोहराया।

"हिंदी केवल भाषा नहीं, हमारी सांस्कृतिक चेतना है" -श्री संतोष चौबे

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने कहा कि "हिंदी को लेकर हताश या निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह भाषा हमारी संस्कृति, परंपरा और एकता की संवाहक है। इसे हमें आत्मगौरव के साथ अपनाना है।"

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने वनमाली सृजन पीठ जैसी पहल के माध्यम से 150 से अधिक केंद्रों पर हिंदी के रचनात्मक साहित्य और नवलेखन को प्रोत्साहित किया है। "हमने 'कंप्यूटर: एक परिचय' हिंदी में इसलिए लिखा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी तकनीक पहुंचे।"

"शोध जीवन की एक रोमांचक यात्रा" -डॉ. कुमुद शर्मा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा ने शोध को जीवन की 'जागृति यात्रा' बताया और युवाओं को समाजोपयोगी शोध के लिए प्रेरित किया।

प्रो. विनोद तिवारी (दिल्ली विश्वविद्यालय) ने तकनीकी क्षेत्रों में हिंदी शोध की आवश्यकता जताई, जबकि डॉ. मुकेश मिश्रा (दत्तोपंत ठेंगड़ी संस्थान) ने हिंदी स्थापना आंदोलन की निरंतरता पर जोर दिया। अंतरराष्ट्रीय सहभागिता में कतर की डॉ. शालिनी वर्मा, चीन के डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी समेत ओमान, अमेरिका, अर्मेनिया और अफगानिस्तान के शोधार्थी शामिल हुए।

उन्होंने हिंदी को प्रवासी भारतीयों को जोड़ने वाला माध्यम बताया। कार्यक्रम में डॉ. विशाखा राजुरकर ने संचालन किया और डॉ. अमिताभ सक्सेना ने विषय प्रवर्तन किया। समन्वयक डॉ. सावित्री सिंह परिहार ने सम्मेलन को हिंदी शोध की गुणवत्ता और सांस्कृतिक संवाद का सशक्त मंच बताया।

'बरसाती नदियाँ' और 'सबको पीछे छोड़ चुका है आदमी' काव्य संग्रह हुए लोकार्पित

15th July: आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में युवा कवि संजय सिंह राठौर के कविता संग्रह 'बरसाती नदियाँ' और युवा रंगकर्मी विक्रांत भट्ट के कविता संग्रह 'सबको पीछे छोड़ चुका है आदमी' का लोकार्पण आज 15 जुलाई को टैगोर विश्वविद्यालय के कथा सभागार में समारोह पूर्वक किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कवि– कथाकार, निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि संजय की कविताओं में मजदूर वर्ग की चिंता, उनके संघर्ष, परिवार माता-पिता पास पड़ोस अपने परिवेश के प्रति प्रेम परिलक्षित होता है, वही बाजारवाद के विरुद्ध भी उनकी कविताओं में जोर-शोर से बात होती है। विक्रांत की कविताओं में नाटकीयता के बिंब होते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश शासन के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कहा कि संजय जी की कविताओं में प्रतिको का बखूबी प्रयोग हुआ है, जिसके माध्यम से वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति करते हैं, उन्होंने उनकी कविता टांड और बोनसाई का जिक्र करते हुए यह बात कही। उन्होंने उनकी कविता किराएदार को भी रेखांकित किया। वही विक्रांत की कविता में चांद कई तरह से कई प्रतिकों के रूप में आया है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कथाकार एवं वनमाली सृजन पीठ, भोपाल के अध्यक्ष श्री मुकेश वर्मा ने कहा कि दोनों कवियों की रचनाओं में दुख और करुणा केंद्र में है, लेकिन दुख और करुणा के साथ दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग है। दोनों ही कवि अंतर्मुखी है और लगातार अपने आप से संवाद करते हैं, जो पाठ को तक सीधे संप्रेषित होता है।

वरिष्ठ कला समीक्षक एवं 'रंग संवाद के संपादक श्री विनय उपाध्याय विक्रांत की कविताओं पर टिप्पणी की वहीं युवा कवि श्री मुदित श्रीवास्तव ने श्री संजय सिंह राठौर की कविताओं को रेखांकित करते हुए अपनी बात विस्तार से रखी।

संजय सिंह राठौर ने अपनी कविताओं बोनसाई, अपना शहर, मां और किताब आदि का पाठ किया। विक्रांत भट्ट ने अपनी कविताओं लिक्विड प्रेम, अब प्लूटो के बारे में नहीं पढ़ाया जाता, पहले से कहीं ज्यादा आगे आदि का पाठ किया। आईसेक्ट पब्लिकेशन के वरिष्ठ प्रबंधक श्री महीप निगम ने आभार व्यक्त किया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ 'दीक्षारंभ 2025' नवप्रवेशी विद्यार्थियों का भव्य स्वागत

14th Aug.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आयोजित 'दीक्षारंभ 2025' कार्यक्रम के दूसरे दिन नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सत्रों का सफल आयोजन हुआ। दिन की शुरुआत फूलों से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद छात्रों को विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सुविधाओं, एंटी-रैगिंग कानून, इमोशनल इंटेलिजेंस और करियर के अवसरों जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) के रीजनल टैलेंट एक्विजीशन ग्रुप हेड श्री आशीष सरकार, प्रेरक वक्ता डॉ. विजय अग्रवाल, श्री आशीष सूद, एसोसिएट जनरल मैनेजर, बिजनेस डेवलपमेंट, आईसेक्ट लर्न, सुश्री सायंती अधिकारी, डिप्टी मैनेजर (कंटेंट डेवलपमेंट) आईसेक्ट, श्री अभिषेक श्रोति, ट्रेनिंग और प्लेसमेंट हेड विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर श्री आशीष सरकार ने उद्योग जगत में बदलते रुझानों और नई तकनीकों की मांग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। सही तैयारी और सतत सीखने की प्रवृत्ति से छात्र अपने करियर में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि असफलताएँ केवल सीखने और आगे बढ़ने के अवसर होती हैं। डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और हर परिस्थिति में उत्साह बनाए रखने का आह्वान किया।

सुश्री सायंती अधिकारी ने "इमोशनल इंटेलिजेंस फॉर स्टूडेंट्स" विषय पर सत्र लेते हुए छात्रों को भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने के उपाय बताए। श्री आशिष सूद ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को डिजिटल लर्निंग के महत्व, बदलते उद्योग परिदृश्य में स्किल डेवलपमेंट की जरूरत और तकनीक आधारित शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल का न्यूज़लेटर भी जारी किया गया, जिसमें आगामी इंटर्नशिप, नौकरी के अवसर, प्लेसमेंट प्रक्रिया और उद्योग जगत की जरूरतों से जुड़ी अहम जानकारी दी गई है। न्यूज़लेटर का उद्देश्य छात्रों को उनके करियर निर्माण में सही दिशा प्रदान करना है। उन्होंने छात्रों को प्लेसमेंट प्रक्रिया और ट्रेनिंग कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी दी।

कानून विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नाईश जमीर ने एंटी-रैगिंग और POSH कानून की कानूनी जानकारी दी, जबकि विश्वविद्यालय के चीफ लाइब्रेरियनअधिकारी डॉ. राकेश खरे और उनकी टीम ने छात्रों को लाइब्रेरी सुविधाओं और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI) क्लब के बारे में बताते हुए भ्रमण कराया।

तीसरे व अंतिम दिन डॉ. शीतल गुलाटी (डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर) ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों का परिचय दिया। सुश्री दुर्गा वर्मा ने एनसीसी की जानकारी दी, डॉ. रेखा गुप्ता एवं श्री गब्बर सिंह (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) ने एनएसएस गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। रेडियो युवाज़ की जानकारी युवाज़ कोऑर्डिनेटर डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने साझा की। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. जितेन्द्र अहीर ने सांस्कृतिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में बताया। खेल एवं जिम सुविधाओं की जानकारी डॉ. पंकज धुलधोये ने दी।

अंत में विद्यार्थियों ने विभागीय पंजीकरण, मेंटर दस्तावेजीकरण और फेस स्कैन उपस्थिति की प्रक्रिया से अवगत कराया गया, जिसके बाद उन्हें उनके संबंधित विभाग और प्रयोगशालाओं का दौरा कराया गया। विभागाध्यक्षों ने छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें फैकल्टी सदस्यों से परिचित कराया।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रतीक निगम, एचओडी, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक विभाग ने सभी अतिथिगण का आभार व्यक्त किया।

RNTU Hosts 'Mega Open Job Fair 2025':

A Grand Confluence of Careers, Skills, and Opportunities

17th July: Marking another milestone in its legacy, Rabindranath Tagore University, Bhopal, inaugurated the two-day "Mega Open Job Fair 2025" at its campus today. The prestigious event aims to provide extensive employment and internship opportunities for emerging graduates and learners from across the country, helping them lay a strong foundation for their careers. The inauguration ceremony was graced by the Hon'ble Member of Parliament, Narmadapuram Constituency, Shri Darshan Singh Chaudhary as the Chief Guest. Other dignitaries present included Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor; Dr. Ravi Prakash Dubey, Vice-Chancellor; Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar; Mr. Uddipan Chatterjee, Placement Head, AISECT Group; and Mr. Abhishek Shrotri, University Placement Head. The event was organized by RNTU's Training and Placement Department, drawing participation from HR representatives, industry leaders, and career counselors from leading national and multinational organizations. In addition to evaluating students' competencies, the visiting experts offered valuable guidance on diverse career pathways.

Addressing the gathering, Shri Darshan Singh Chaudhary commended the university's initiative, noting that such efforts play a crucial role in nation-building. He remarked that "dreams can only be realized through perseverance and a continuous spirit of learning." Highlighting the vast potential of Madhya Pradesh, he

stated that when academic institutions and industrial bodies collaborate, they lay a stronger foundation for a self-reliant India.

Pro-Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats emphasized the importance of staying updated with evolving global trends. She highlighted AISECT Group's long-standing contributions to skill development and noted that its six universities across India continue to uphold high academic quality and secure positions in NIRF rankings. She also mentioned initiatives like the Atal Incubation Centre, Food Processing Unit, and Centres of Excellence that inspire youth toward entrepreneurship. Referring to RNTU's creative endeavors, she cited cultural and global initiatives like Vishwarang, the Hindi Olympiad, and the university's representation in international sporting events.

Vice-Chancellor Dr. R.P. Dubey, in his welcome address, stated that India has evolved into a knowledge-based economy, currently ranking fourth globally. He affirmed that RNTU is committed to equipping students with both academic excellence and professional competence through advanced laboratories, livelihood resource centers, and industry-aligned curricula.

The ceremony also featured the formal release of the university publications RNTU Newsletter and Madhya Pradesh League (MPL) Newsletter, which highlight RNTU's creative achievements, research pursuits, and societal contributions.

In the concluding segment, Dr. Sangeeta Jauhari delivered a vote of thanks, expressing gratitude to all guests, industry representatives, student participants, and the organizing committee. Following the event, the Chief Guest visited the campus facilities, where he appreciated RNTU's academic infrastructure, innovation hubs, laboratories, and training centers.

Our Achievements

600+ Companies visited the University

6000+ Students Placed

₹65 LPA Highest Package

Rabindranath Tagore University Signs MoU with DADB German Academy of Digital Education for Global Academic Collaboration

30th July: Rabindranath Tagore University, Bhopal, has entered into a significant Memorandum of Understanding (MoU) with the DADB German Academy of Digital Education to promote international education, research, and innovation. The DADB German Academy, headquartered in Berlin, is Germany's only EdTech company operating across Europe and Asia in the field of digital education.

This landmark agreement aims to strengthen academic cooperation between India and Germany, opening doors to global opportunities for students and faculty members. Under the MoU, the two institutions will collaborate on student and faculty exchange programmes, joint research projects, academic cooperation, internships in Europe, training and placement avenues, innovation-based learning, and cross-cultural educational experiences.

The signing ceremony witnessed the presence of eminent dignitaries from RNTU, including Pro-Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Director (AIC-RNTU & IQAC) Dr. Nitin Vats, Registrar Dr. Sangeeta Johri, Pro-Vice Chancellor Dr. Sanjeev Gupta, and AGU Research Director Dr. Rachna Chaturvedi. Representing the DADB German Academy of Digital Education were Managing Director Mr. Amit Das, Regional Hub Manager Mr. Neeladri Bihari Ray, Business Partnership Manager Ms. Oindrila Ghosh, and Mr. Sanjit Yadav. The MoU was signed by Registrar Dr. Sangeeta Johri on behalf of RNTU and Regional Hub Manager Mr. Neeladri Bihari Ray on behalf of DADB.

Expressing her delight, Dr. Aditi Chaturvedi Vats stated that this collaboration reflects RNTU's commitment to offering globally competitive education aligned with international academic standards, thereby enabling both students and faculty to excel on the global stage. She added that the partnership will foster multi-disciplinary teaching and research, promote the sharing of innovative knowledge, and open new avenues of global engagement.

Speaking on the occasion, Dr. Nitin Vats emphasized that the MoU will enhance RNTU's international presence and provide students with invaluable global exposure, contributing to their holistic development. He described the initiative as a key step in preparing the youth to compete internationally and emerge as future leaders.

MSME HACKATHON 5.0: A Promising Platform for Startups and Innovators to Access Incubation and Funding Support

8th July: Rabindranath Tagore University, Raisen, has been officially recognized by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India, as a Host Institution and Business Incubator. Over the past seven years, the university has been actively fostering innovation and entrepreneurship through its AIC-RNTU Foundation, which provides startups with mentorship, networking, and funding opportunities. Supported by the Atal Innovation Mission (AIM), NITI Aayog, the center stands among Central India's leading incubation hubs.

The AIC-RNTU Foundation collaborates with multiple central government initiatives, including the Startup India Seed Fund Scheme (DPIIT), NIDHI Seed Support Scheme (DST), GENESIS (MeitY Startup Hub), and iDEX-DIO, to provide financial and technical assistance to startups. To date, more than 500 startups have benefited from these programs. With the MSME designation, the center will now extend its support to micro, small, and medium enterprises, further boosting the regional innovation ecosystem.

In this context, Rabindranath Tagore University is participating as a partner institution in the MSME Hackathon 5.0, organized by the Ministry of MSME. The hackathon invites participation from students, MSME entrepreneurs, and innovators across the country. Selected winners will receive funding support of up to ₹15 lakh. The initiative aims to encourage creativity, innovation, and problem-solving while strengthening entrepreneurial ventures through government-backed support.

The last date for registrations in MSME Hackathon 5.0 is July 14, 2025. Interested participants can visit the AIC-RNTU Foundation, located within the RNTU campus, for further details and guidance regarding the application process.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च संस्थान के मध्य एमओयू हुआ

6th July: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) और जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च संस्थान के मध्य एक महत्वपूर्ण सहयोग ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, और व्यावहारिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य करना है।

इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल की ओर से श्री ओमप्रकाश पंथी, निदेशक (वित्त) और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान श्री नागेश सोनी, प्रशासक, पैरामेडिकल, डॉ. सी.पी. मिश्रा, डीन, फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसेज़, डॉ. दुर्गा पांडे, प्राचार्य, फार्मेसी विभाग, डॉ. डेसी थॉमस, प्राचार्य, नर्सिंग विभाग एवं डॉ. अविनाश सिंह एचओडी, पैरामेडिकल विभाग उपस्थित रहे।

इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से चिकित्सीय अनुसंधान परियोजनाओं, छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम, सेमिनार, वर्कशॉप और कॉन्फ्रेंस का आयोजन करेंगे, जिससे प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने दोनों संस्थानों को बधाई देते हुए इस पहल को भविष्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई दिशा और आयाम देने वाला कदम बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी छात्रों और शोधार्थियों के लिए अनेक अवसरों के द्वार खोलेगी।

"सृजन साधना" कला प्रदर्शनी एवं चर्चा का हुआ भव्य शुभारंभ

19th Aug.: मध्यप्रदेश की कला और संस्कृति को समर्पित तीन दिवसीय आयोजन "सृजन साधना– कला प्रदर्शनी एवं चर्चा" का भव्य उद्घाटन रवीन्द्र भवन, भोपाल में हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे रहे। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ चित्रकार व समीक्षक श्री अशोक भौमिक (दिल्ली), स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलगुरु (डॉ.) विजय सिंह, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, डॉ. धर्मेंद्र पारे (निर्देशक, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय), वरिष्ठ कलाकार पद्मश्री चन्दन भट्टी, श्री देवीलाल पाटीदार, डॉ. चित्रा सिंह (एनसीईआरटी, भोपाल) एवं श्री विनय उपाध्याय (निर्देशक, टैगोर विश्वकला एवं संस्कृति केंद्र, आरएनटीयू) उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में भोपाल के 25 से अधिक वरिष्ठ कला शिक्षकों की चुनिंदा उत्कृष्ट पेंटिंग को प्रदर्शित किया गया और प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के साथ कैटलॉग, न्यूज न्यूजलेटर का विमोचन एवं डॉ. अंकिता जैन के शोध पर आधारित पुस्तक "भोपाल के कला शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत कला शिक्षकों का भारतीय चित्रकला में योगदान – एक अध्ययन (प्रारंभ से 2014 तक)" का लोकार्पण भी किया गया।

प्रदर्शनी में लगभग 70 चित्रकृतियाँ प्रदर्शित की गईं, जो विविध विषयों और शैलियों का सजीव चित्रण प्रस्तुत करती हैं। इनमें लैंडस्केप, पोर्ट्रेट, पोस्टर कलर पेपर पर कृतियाँ, नेचर कैनवस, एक्रेलिक ऑन कैनवस, एक्रेलिक ऑन पेपर,

ग्रामीण जीवन पर आधारित चित्र तथा ऐब्सट्रैक्ट पेंटिंग्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इन कलाकृतियों को सृजित करने में कलाकारों ने विभिन्न माध्यमों जैसे ऑयल पेंटिंग, एक्रेलिक, वॉटर कलर और पोस्टर कलर का प्रभावशाली प्रयोग किया, जिसने प्रदर्शनी को और अधिक जीवंत, रंगीन एवं दर्शनीय बना दिया।

मुख्य अतिथि श्री संतोष चौबे ने कहा कि "कला केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, यह समाज की आत्मा और उसकी संवेदनाओं को आकार देती है। कलाकार अपनी रचनाओं के माध्यम से समय, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का दस्तावेज़ तैयार करता है। 'सृजन साधना' जैसे आयोजन न केवल हमारे वरिष्ठ कला शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भी प्रेरित करते हैं कि वे इस सृजनशील परंपरा को आगे बढ़ाएँ। यह प्रदर्शनी गुरु-शिष्य परंपरा और भारतीय कला की गहराई को नए आयाम प्रदान करती है।" इस आयोजन का उद्देश्य कला शिक्षा और गुरु-शिष्य परंपरा की समृद्ध परंपरा को रेखांकित करना और भोपाल के कला शिक्षकों के योगदान को सम्मानपूर्वक सामने लाना है।

कला के माध्यम से सामाजिक संदेश– नशा मुक्ति के लिए छात्रों ने दिखाया क्रिएटिव कमाल

20th July: रायसेन पुलिस और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन की राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मिलकर 'नशे से दूरी, है ज़रूरी' थीम पर एक सप्ताहव्यापी नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के पहले दिन जागरूकता रैली, व्याख्यान, पोस्टर मेकिंग तथा रील्स मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तथा ड्राइवर्स ने सक्रिय सहभागिता की। साथ ही गोद ग्राम हिनोती में जागरूकता रैली निकालकर व घर-घर जाकर लोगों से नशे से दूर रहने की अपील की गई। इसके साथ ही पोस्टर मेकिंग व रील्स मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रवि प्रकाश दुबे, कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी व रायसेन जिले के पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पांडेय के संदेशों का प्रसारण भी किया गया।

व्याख्यान में नशा मुक्ति पर बनी फिल्म दिखाते हुए विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट मनोज सिंह मनराल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा केवल व्यक्ति की सेहत ही नहीं, उसके पूरे परिवार की खुशियों को छीन लेता है। नशे से दूरी बनाकर न सिर्फ हम खुद को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण बन सकते हैं। उन्होंने ड्राइवर्स और कर्मचारियों को नशे से होने वाले आर्थिक नुकसान को समझाते हुए बताया कि अगर वे नशे पर खर्च होने वाले पैसे की बचत करें तो उसका उपयोग परिवार और भविष्य को संवारने में किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि आज ही एक दृढ़ संकल्प लें और नशे से मुक्ति की ओर पहला कदम बढ़ाएं।

वहीं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कार्यक्रम अधिकारी श्री गब्बर सिंह ने कहा कि नशे की लत में फंसा व्यक्ति कब दूसरी बुरी लतों में फंसता चला जाता है पता ही नहीं चलता ऐसा व्यक्ति धन, मान सम्मान सब गंवा देता है और समाज में उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीआरओ विजय प्रताप सिंह, एनसीसी इंस्ट्रक्टर सुश्री दुर्गा वर्मा, स्वयंसेवक रिपांश कुमार, राधिका पटेल, सत्यम कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

"नशे से दूरी है ज़रूरी" अभियान के अंतर्गत रायसेन में सप्ताहभर चला जनजागरूकता कार्यक्रम, युवाओं को दिया नशा मुक्ति का संदेश

23rd July: रायसेन पुलिस और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'नशे से दूरी है ज़रूरी' अभियान के अंतर्गत सप्ताहव्यापी कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना था।

मुख्य अतिथि के रूप में आईजी नर्मदापुरम रेंज श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला ने कहा, "जब हम ईश्वर का अंश हैं, तो हमें किसी बाहरी नशे की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।"

डीआईजी श्री प्रशांत खरे ने नशे को राष्ट्रीय संकट बताते हुए कहा कि "देश के लगभग 1.5 करोड़ विद्यार्थी किसी न किसी नशे की चपेट में हैं, जिससे अपराध और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है।"

एसपी रायसेन श्री पंकज कुमार पांडेय ने कहा कि "नशा सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।"

डॉ. योगेन्द्र पुरोहित ने युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्राकृतिक आहार और योग को अपना कर नशे की प्रवृत्ति पर नियंत्रण पाया जा सकता है। डॉ. संगीता जौहरी ने स्वागत भाषण में बताया कि जनजागरूकता रैली में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा न करने की शपथ ली।

एसडीओपी औबेदुल्लागंज सुश्री शीला सुराना ने बताया कि स्कूल-कॉलेजों में रैली, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन और बसों में वीडियो दिखाकर जनजागरण किया गया।

इस अवसर पर नशा विरोधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें आईपीएस वरुण कपूर और रायसेन पुलिस द्वारा निर्देशित शॉर्ट फिल्म शामिल रही।

प्रतियोगिता परिणाम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता:

प्रथम स्थान: निशा पटेल (मेडिकल छात्रा)
द्वितीय स्थान: ऋतुराज
तृतीय स्थान: पलक मीना (NCC कैडेट)

रील मेकिंग प्रतियोगिता:

प्रथम स्थान: कृति सिंह (NCC कैडेट)
द्वितीय स्थान: कुंदन कुमार (NSS छात्र)
तृतीय स्थान: राजकुमार गुर्जर

Special Program Held at RNTU to Commemorate the 164th Birth Anniversary of Acharya Prafulla Chandra Ray

29th Aug.: The C.V. Raman Science Communication Centre of RNTU organized a special event to celebrate the 164th birth anniversary of the eminent scientist and founder of modern Indian chemistry, Acharya Prafulla Chandra Ray. The occasion was marked with enthusiasm and active participation from students and faculty members across various departments.

Dr. Rakesh Kumar, Head of the Centre for IoT and Advanced Computing at RNTU, graced the event as the chief guest and keynote speaker. In his address, he highlighted Acharya P.C. Ray's remarkable contributions to science and society, emphasizing his pioneering role in establishing chemical research and industry in India. Dr. Kumar also discussed innovative ways in which modern Artificial Intelligence (AI) tools can be employed for identifying and analyzing chemical components, offering students valuable insights into the intersection of chemistry and technology.

A special science demonstration lecture focusing on chemistry experiments was also organized as part of the event. Students actively engaged in hands-on demonstrations showcasing various fascinating and practical experiments using common chemicals.

These activities sparked curiosity and deepened interest in chemistry among the participants.

Prominent attendees included Dr. Preeti Singh, Coordinator, C.V. Raman Science Communication Centre; Dr. Bhavana Agrawal, Head, Department of Physics; and faculty members including Mr. Ravindra Jain and others from different university departments.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आईसेक्ट ग्रुप आफ यूनिवर्सिटीज (एजीयू) द्वारा दो दिवसीय शोध कार्यशाला का सफल आयोजन

4th Aug.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज (एजीयू) के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा दो दिवसीय "शोध परियोजना लेखन" कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी एवं डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, निदेशक, आईसेक्ट ग्रुप आफ यूनिवर्सिटीज (एजीयू) विशेष रूप से उपस्थित थे। इस कार्यशाला का समन्वयन डॉ. रचना चतुर्वेदी, निदेशक, कोर रिसर्च एंड इनोवेशन ग्रुप (CRIG) एजीयू और डॉ. दिनेश कुमार सोनी के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि अनुसंधान किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति का आधार होता है। इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल शोध की गुणवत्ता बढ़ाती हैं, बल्कि शिक्षकों और शोधार्थियों को नवीनतम तकनीकों से भी परिचित कराती हैं।

वहीं डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि हमारा प्रयास है कि आईसेक्ट ग्रुप आफ यूनिवर्सिटीज के सभी विश्वविद्यालयों में शोध-संस्कृति को मजबूती मिले। यह कार्यशाला उसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जिससे हमारे शोधार्थी वैश्विक मानकों के अनुरूप शोध कर सकें।

कार्यशाला के प्रमुख सत्रों में जेनेरेटिव एआई और अनुसंधान सहायक डिजिटल उपकरणों का प्रयोग, संरचित प्रस्ताव लेखन तकनीक, "आईसेक्ट गुरु" जैसे संस्थागत अनुसंधान समर्थन मंच तथा अंतर्विषयी एवं उद्योग-उन्मुख अनुसंधान हेतु सहयोगात्मक मॉडल जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वक्ताओं ने बताया कि इन तकनीकों और दृष्टिकोणों के माध्यम से शोध की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और सामाजिक प्रभाव को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जा सकता है।

इस वर्ष आयोजित आईसेक्ट ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटीज की वार्षिक शोध कॉन्फ्रेंस "शोध शिखर" में शामिल शोधार्थियों के शोध पत्रों का संग्रह छह खंडों में पुस्तक रूप में संकलित कर प्रकाशित किया गया है। यह संग्रह आईसेक्ट समूह की शैक्षणिक जीवंतता और बौद्धिक योगदान का प्रतीक है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विज्ञान संचार केन्द्र द्वारा क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र भोपाल में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

14th July: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) के विज्ञान संचार केंद्र द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, भोपाल में आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र 'सवाल आपके - जवाब हमारे' में भाग लिया।

इस विशेष सत्र का विषय आईएसआरओ-एनएएसए (ISRO-NASA) का संयुक्त मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए था, जिसमें विद्यार्थियों को भारत और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच सहयोग और नवीनतम अंतरिक्ष मिशनों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के साथ विज्ञान संचार केंद्र की समन्वयक डॉ. प्रीति सिंह के साथ अन्य शिक्षकगण भी मौजूद रहे।

भ्रमण के दौरान हाल ही में सफलतापूर्वक आईएसएस (ISS) गए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी कैसे होगी और कई अन्य सवालों पर भी चर्चा हुई। उनकी उपलब्धि पर विद्यार्थियों ने गर्व और उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन आंचलिक विज्ञान केंद्र के प्रकल्प समन्वयक श्री साकेत गौरव ने किया। जिसमें उनका सहयोग उनके साथी श्री स्वपनिल सिंह, एजुकेशन आफिसर, आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल ने दिया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देना और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे जटिल विषयों को रोचक व संवादात्मक तरीके से समझाना था।

विश्व रंग फाउंडेशन भारत
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

सऊदी अरब के विद्यार्थियों ने किया हिंदी में काव्य पाठ

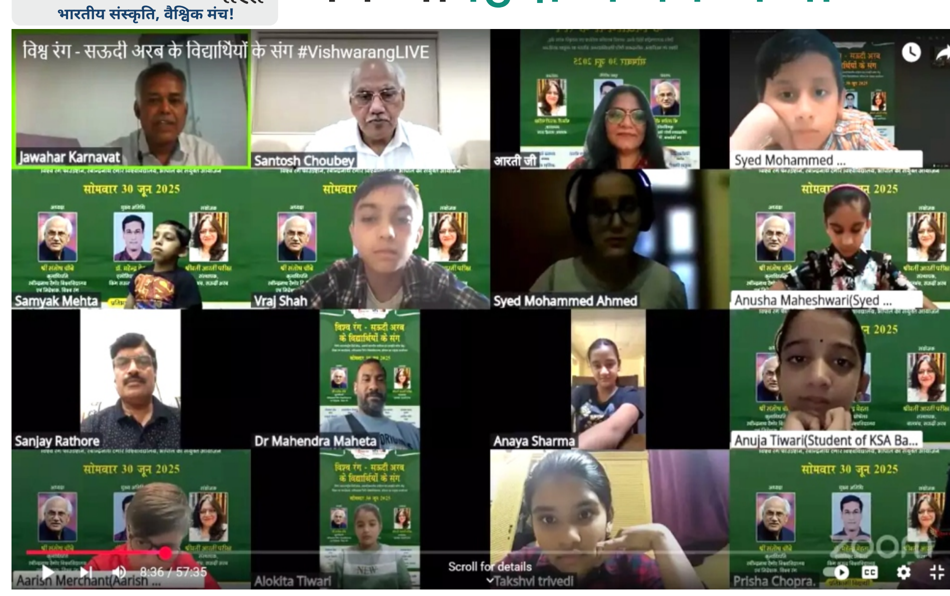

2nd July: विश्व रंग फाउंडेशन के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र एवं प्रवासी भारतीय शोध केंद्र रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा सऊदी अरब की विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी काव्य पाठ का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सऊदी अरब के रियाद, खोबर, जिद्दाह, जुबैल, दमाम आदि शहरों के पांच से बारह वर्ष के 15 विद्यार्थियों ने हिंदी में अत्यंत जोशीले अंदाज में काव्य की पाठ किया। विद्यार्थियों ने स्वरचित के अलावा भारत के प्रमुख कवियों रामधारी सिंह दिनकर, सोहनलाल द्विवेदी, अटल बिहारी वाजपेई आदि की रचनाएं भी सुनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किंग सऊद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर महेंद्र मेहता रहे और अध्यक्षता रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने की। प्रारंभ में अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ जवाहर कर्णावट ने विश्वरंग फाउंडेशन की गतिविधियों का परिचय दिया। कार्यक्रम का संयोजन सऊदी अरब की हिंदी एवं गुजराती लेखिका श्रीमती आरती परीख ने किया। अंत में विश्व रंग के सचिव संजय सिंह राठौड़ ने आभार माना। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के अनेक श्रोता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

जैसे अंधेरा से अंधेरा खत्म नहीं किया जा सकता वैसे ही नशे से परेशानियों के हल नहीं पाए जा सकते- एम.के. सिंह, डीआईजी, सीआरपीएफ

नशे से दूरी है ज़रूरी

20th Aug.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा पहल नशा मुक्ति केंद्र एवं यूथ फार सेवा भोपाल चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान की द्वितीय श्रृंखला के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध लेखन, भाषण, पोस्टर मेकिंग तथा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जहां एक और विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से नशे के विभिन्न पक्षों पर अपनी बात को रखा वहीं रंगोली तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता मे छात्र-छात्राओं ने रंगों के माध्यम से आकर्षक तरीके से नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के डीआईजी एमके सिंह तथा सारस्वत अतिथि पुलिस अधीक्षक स्पेशल टास्क फोर्स राजेश सिंह भदोरिया के साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के अवर सचिव एमके राजोरिया तथा प्रेस क्लब के संयुक्त सचिव अजय प्रताप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डीआईजी एमके सिंह ने कहा की समाज में अनेक लोग यह कहते सुने गए हैं कि जीवन परेशानियों से घिरा रहता है और उन परेशानियों से आने वाले गम को दूर करने के लिए जरा नशा कर लेते हैं। लेकिन उन लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि जिस प्रकार अंधेरे से अंधेरा दूर नहीं किया जा सकता उसी प्रकार नशे से भी दुखों को और परेशानियों को दूर नहीं किया जा सकता। यदि आप अपने जीवन की समस्याओं से जूझ रहे हैं तो अपने भीतर सकारात्मकता को लेकर आएं। हमारे देश के महापुरुषों से प्रेरणा लें तथा नशा करना ही है तो समाज को सुधारने का, देश भक्ति का नशा करें उसी से हमारा देश आगे बढ़ेगा हमारा समाज उन्नत बनेगा।

वहीं एसपी राजेश सिंह भदोरिया ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान पर समाज में बहुत चर्चाएं होती हैं व्याख्यान होते हैं बातें होती हैं परंतु आज बातें करने की बजाय आगे आकर काम करने की आवश्यकता है। और राष्ट्रीय सेवा योजना के जो स्वयंसेवक हैं वह नशा मुक्ति अभियान को गांव-गांव लेकर जाएं, बस्ती घर-घर लेकर जाएं। जब सब लोग मिलकर नशा मुक्ति अभियान को लेकर समाज को जगाएंगे, झकझोरेंगे तो निश्चित रूप से हमारा समाज नशे की गिरफ्त से दूर होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एमके राजोरिया ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान तभी सफल होगा जब एक तरफ समाज और दूसरी तरफ सरकार दोनों मिलकर के काम करेंगे। समाज और सरकार दोनों को एक दूसरे के साथ सहयोग करते हुए नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रबीन्द्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आर पी दुबे ने कहा कि नशे जैसी बुराइयों को दूर करने में शिक्षा की बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर के समाज में अच्छाइयों का नया उजियारा फैला सकते हैं।

इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रेस क्लब के संयुक्त सचिव व मीडिया टुडे के नेशनल एडिटर अजय प्रताप सिंह, यूथ फॉर सेवा के अतर साहू एवं पहल नशा मुक्ति केंद्र के पंकज चौहान ने भी संबोधित किया। उद्बोधन के उपरांत विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंच से सम्मानित किया गया।

हिन्दी छंद लेखन सर्टिफिकेट कोर्स के दो बैचों का समापन

8th Aug.: रबीन्द्रनाथ टैगौर युनिवर्सिटी द्वारा संचालित छंद प्रशिक्षण कोर्स को आज की महती जरूरत समझा जाना चाहिए। यह विचार प्रसिद्ध कवि धर्मेन्द्र सौलंकी ने व्यक्त किए। हिन्दी छंद लेखन प्रशिक्षण कोर्स के दो कोर्स में उत्तीर्ण छात्रों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए धर्मेन्द्र सौलंकी जी ने कहा कि छंद प्रशिक्षण भविष्य के कवियों को मूलभूत शिक्षा को देने का सुंदर मंच तैयार करना है।

उप कुलसचिव डॉ पूजा चतुर्वेदी ने बताया कि रबीन्द्रनाथ टैगौर यूनिवर्सिटी द्वारा एक ऑनलाइन कोर्स संचालित किया जा रहा है। यह कोर्स पहला ऐसा कोर्स है जो कवियों को हिन्दी के छंदों की प्राथमिक जानकारी सिखाता है।

मानविकी एवं उदार कला संकाय की डीन डॉ रुचि मिश्री तिवारी ने कहा कि यह कोर्स ऑनलाइन संचालित होता है और तीन माह का यह कोर्स है जिसमें अब तक दो बैचों पूरा कर चुके विद्यार्थी आज प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे हैं।

इस कोर्स के प्रमुख शिक्षक कवि योगेश के समदर्शी ने बताया कि गत वर्ष अक्टूबर माह से इस कोर्स का प्रारंभ किया गया था। जिसके दो बैच अप्रैल माह तक सम्पन्न हुए उन्हीं सफल छात्रों को भोपाल में एक भव्य कार्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए गए और सभी प्रतिभागियों ने अपने छंद प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में दो छात्रों की कविता संकलन पुस्तकों का विमोचन भी हुआ जिनमें नवीन कानूनगो की पुस्तक काव्य समर्पण एवं पूनम शुक्ला की पुस्तक भाव कानन शामिल रहीं। इस अवसर पर 25 से अधिक छात्रों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में उपस्थित हो कर प्रमाण पत्र हासिल करने वाले एवं अपने छंद प्रस्तुत करने वालों में खुशबू जैन, रोहतक (हरियाणा), अंकित, रोहतक (हरियाणा) मोनिका कटारिया, पंचकूला (हरियाणा), लकी अहिरवार, दिल्ली, लोमेश कुमार गौड़, हरदा, कपिल दुबे, हरदा , मुकेश शांडिल्य, हरदा, नवीन कानूनगो, गोविंदगढ़, जयपुर (राजस्थान) ज्योति बाला पाल, बरेली, अनिल शर्मा 'चिंतक', चंडीगढ़, प्रीतम सिंह तंवर, प्रियंका श्रीवास्तव, पटना (बिहार), संगीता गोविल (दिल्ली), सुस्मिता दशोरा, अहमदाबाद (गुजरात), पूनम शुक्ला,बरेली (उत्तर प्रदेश), रचना चेतन मनहर, डॉ मीनू पांडे, भोपाल, मनीष सुमन, बेगूसराय (बिहार), डॉ. ज्योति सिंह इंदौर से शामिल रहे।

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस का भव्य आयोजन

2th Aug.: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) और राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के कैडेट्स, शिक्षकों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की वीरता और उनके बलिदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम का आयोजन जम्मू-कश्मीर स्टडी सेंटर के सहयोग से शारदा ऑडिटोरियम में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सेवानिवृत्त कर्नल नारायण परवानी की विशेष प्रस्तुति से हुई। कर्नल परवानी ने कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना की वीरता और संघर्ष को दर्शाते हुए दुर्लभ तस्वीरों और वीडियो का प्रक्षेपण किया। इन चित्रों और वीडियो के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान को महसूस किया। उनकी प्रस्तुति ने शारदा ऑडिटोरियम में एक गहरी देशभक्ति और जोश का संचार किया। कर्नल परवानी ने युद्ध के दौरान हुए कठिन संघर्षों और सैनिकों के जज्बे को साझा किया, जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

मुख्य अतिथि, डॉ. सदानंद सपरे, ने इस अवसर पर कर्नल परवानी की प्रस्तुति की सराहना करते हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें इन वीरों के संघर्ष से सीखने की आवश्यकता है और उनकी तरह देश की सेवा में अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपनी मेहनत और समर्पण से अपने देश का नाम रोशन करें।

विशेष अतिथि, डॉ. विशाल चौहान, मध्य प्रदेश प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमीशन के प्रशासनिक सदस्य, ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए छात्रों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि एक सशक्त राष्ट्र तभी बन सकता है जब उसके नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का भावना जागृत हो।

कार्यक्रम के दौरान, प्रोफेसर अमिताभ सक्सेना ने भारतीय सैनिकों की शहादत की महत्ता पर जोर दिया और कहा कि उनका बलिदान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने छात्रों से कहा कि हमें अपनी शिक्षा और कौशल का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए।

कार्यक्रम का समापन NSS कार्यक्रम अधिकारी गब्बर सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने और ANO लेफ्टिनेंट मनोज सिंह मंरल के कृतज्ञता के संदेश से हुआ। इस आयोजन ने छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गर्व का भाव जागृत किया, साथ ही उन्हें भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद रखने और सम्मानित करने की प्रेरणा दी।

भोपाल बैडमिंटन लीग 2025 के सेमीफाइनल में पहुंचा आईसेक्ट स्मैशर्स

28th Aug.: शहर में आयोजित हो रही प्रतिष्ठित भोपाल बैडमिंटन लीग 2025 में आईसेक्ट स्मैशर्स प्रतिभागी के रूप में शामिल है। आईसेक्ट स्मैशर्स ने अपने पहले और दूसरे लीग मुकाबले जीतकर सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहला मुकाबला आईसेक्ट स्मैशर्स विरुद्ध गीत गोविंद निंजास के मध्य खेला गया। आईसेक्ट स्मैसर्स के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह लीग 5-2 के बड़े अंतराल से अपने नाम की। मैन ऑफ द मैच आईसेक्ट स्मैशर्स के खिलाड़ी जगदीश जी को दिया गया वही दूसरा लीग का मुकाबला आईसेक्ट स्मैशर्स विरुद्ध ग्लोबल अवेंजर्स के मध्य खेला गया।

यह मुकाबला बहुत ही रोचक खेल के साथ आईसेक्ट स्मैशर्स ने 4-3 के अंतराल से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच आईसेक्ट स्मैशर्स के खिलाड़ी अरुण भाटिया और विक्रांत श्रीवास्तव जी को दिया गया।

आईसेक्ट स्मैशर्स के ओनर एवं आईसेक्ट ग्रुप के सीईओ डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित लीग में शानदार खेल दिखाया है और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

टीम का नेतृत्व कप्तान विजेन्द्र सिंह निकुम कर रहे हैं, वहीं मेंटर एवं कोच आशीष अर्गल हैं। टीम में निशांत, सचिन रावत, सौरभ चक्रवर्ती, मलय कुमार डे, अरुण भाटिया, हबीब हुसैन, चन्द्रशेखर अग्रवाल, विक्रांत श्रीवास्तव, जितेंद्र बागरे, शैलेन्द्र सिन्हा, जगदीश कुमार मेघानी, तपस सिंह, कृष्ण मरनावरे, अभिमन्यु चोपड़ा और विनीत कुमार जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं। आज टीम अपना अंतिम लीग मुकाबला सुरेंद्र सूरमाज के खिलाफ खेल रही है।

कजाकिस्तान में चमका भारत का परचम!

28th Aug.: मानसी रघुवंशी ने जीता स्वर्ण, ज्योरादितीय सिंह सिसोदिया ने दिलाया ब्रॉन्ज– एशियाई शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप में अकादमी का शानदार प्रदर्शन

कजाकिस्तान में 16 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप में भारत ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया है।

अकादमी की प्रतिभाशाली शूटर मानसी रघुवंशी ने जूनियर महिला स्किट वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं ज्योरादितीय सिंह सिसोदिया ने जूनियर पुरुष वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

इन दोनों युवा निशानेबाज़ों की उपलब्धि ने न केवल अकादमी का गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर गर्व से सिर ऊँचा करने का अवसर दिया है।

अकादमी परिवार ने दोनों खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष और गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के खिलाड़ी मध्य प्रदेश एकलव्य अवार्ड से हुए सम्मानित

28th Aug.: रवींद्र भवन में शिखर खेल अलंकरण समारोह और 38वें नेशनल गेम्स 2025 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, खेल मंत्री विश्वास सारंग ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मप्र ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रमेश मेंदोला, खेल संचालक राकेश गुप्ता, खेल सचिव मनीष सिंह, उप संचालक बीएस यादव और जिला खेल अधिकारी रायसेन श्री जलज चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

एकलव्य पुरस्कार के अंतर्गत 11 उभरते खिलाड़ियों को 1 लाख रुपये की सम्मान राशि और प्रशस्ति पत्र दिया गया। इनमें रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की खिलाड़ी राजगढ़ की पूजा दांगी (फेंसिंग), अंकित पाल (हॉकी), देवास की नेहा ठाकुर (सेलिंग), उज्जैन की प्रियांशी प्रजापत (कुश्ती) शामिल हैं।

Achieving Excellence: Dean, Engineering and Technology's Remarkable Academic Journey

Dr. Vinay Kumar Yadav
Dean, Faculty of Engineering and Technology, Rabindranath Tagore University, Bhopal

Dr. Vinay Kumar Yadav, an accomplished academician and administrator, is currently serving as the Dean, Faculty of Engineering and Technology at Rabindranath Tagore University, Bhopal. With more than 18 years of rich experience in the domains of teaching, research, academic administration, and industry collaboration, Dr. Yadav has made significant contributions to the field of Mechanical Engineering and Technical Education.

He completed his B.E. in Mechanical Engineering from Christian College of Engineering, Bhilai (C.G.), followed by an M.Tech. in Maintenance Engineering from Maulana Azad National Institute of Technology (MANIT), Bhopal. He earned his Ph.D. in Mechanical Engineering from Rabindranath Tagore University, Bhopal, where his research focused on optimization in maintenance systems and process improvement models.

Dr. Yadav's academic journey is marked by excellence, dedication, and innovation. Under his guidance, 2 Ph.D. scholars and 18 M.Tech. scholars have successfully completed their research work. He has authored and co-authored over 22 research papers in reputed national and international journals and conferences. His research interests span across Internal Combustion Engines, Maintenance Engineering, Engineering Drawing, Product Design and Development, Project Management Techniques, and Optimization in Manufacturing Systems.

Apart from his academic achievements, Dr. Yadav has been instrumental in curriculum development, examination reforms, accreditation processes, and quality enhancement initiatives at RNTU. His leadership has been pivotal in aligning engineering education with industry needs through practical skill development, experiential learning models, and outcome-based education frameworks.

In recognition of his outstanding contributions, Dr. Yadav was honored with the Best Teacher Award by SRIJAN 2019 and the Rotary Club (2025) for his innovative pedagogy, mentorship, and excellence in teaching-learning practices. His efforts toward creating a vibrant and research-oriented academic ecosystem have earned him great respect among students and colleagues alike.

Dr. Yadav is deeply committed to fostering innovation and entrepreneur- ship among young engineers. Under his deanship, the Faculty of Engineering and Technology at RNTU has seen remarkable growth in placement opportunities, research collaborations, and industry linkages. He has successfully organized various faculty development programs (FDPs), national conferences, and technical workshops promoting interdisciplinary research and emerging technologies.

A firm believer in continuous learning, Dr. Yadav continues to inspire his students and peers through his professionalism, visionary approach, and passion for excellence. His remarkable journey exemplifies the spirit of innovation and leadership that defines Rabindranath Tagore University's commitment to quality education and holistic development.

Campus Placement @ Rabindranath Tagore University

SUCCESSFUL COMPLETION OF BAJAJ FINSERV CPBFI TRAINING PROGRAM

A 100-hour Certificate Program in Banking, Finance and Insurance (CPBFI) by Bajaj Finserv Ltd. was successfully conducted at Rabindranath Tagore University, Bhopal from July 23 to August 14, 2025. The training program was designed to enhance students' financial literacy, professional communication, and employability skills, particularly for the Management and Commerce departments. The comprehensive program included modules on Banking, Managing Self, Insurance, and Campus to Corporate Awareness and Workplace Skills (CAWS). Through interactive sessions and practical learning, students gained valuable exposure to industry-oriented knowledge, preparing them for future career opportunities in the BFSI sector. Following the completion of the training, a Post-Assessment and an Industry HR Workshop (HRW) were organized to evaluate student learning outcomes and provide them direct interaction with industry professionals. The program witnessed enthusiastic participation from students and received highly positive feedback for its practical approach and career-oriented content. University officials appreciated the initiative by Bajaj Finserv for bridging the gap between academia and industry and expressed hope for more such collaborations in the future to strengthen campus placement opportunities.

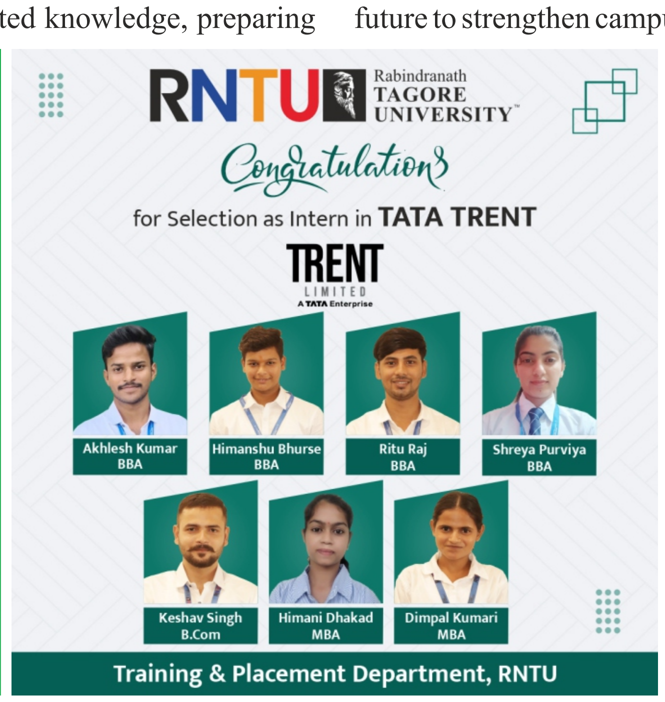

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road, Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron
Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. R.P. Dubey, Vice-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team
Editors : Dr. Shailendra Singh, Mr. Vijay Pratap Singh
Copywriters : Mr. Sameer Choudhary, Ms. Shreya Sharma
Design : Mr. Kamlesh Thakur
Photography : Mr. Upendra Patne